तिहाड़ जेल, दिल्ली में गड़बड़ी

6709. श्री राम सिंह अयरवाल :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मार्च, 1967 में दिल्ली की तिहाड़ जेल में हुई गड़बड़ी के कारण एक व्यक्ति मारा गया था तथा बहुत से अन्य जख्मी हुए थे;

(ख) यदि हां, तो उस घटना का ब्यौरा क्या है; और

(ग) कितने व्यक्ति दोषी पाये गये तथा उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) से (ख). तिहाड़ सेंट्रल जेल में मार्च 1967, में कोई घटना नहीं हुई । हां 20 मार्च, 1967 को लगभग दिन के 12.15 बजे कैम्प जेल में जहां गौ-हत्या विरोधी आंदोलन के कैदी रखे गये थे दूध के बटवारे पर एक झगड़ा हुआ । पत्थर, ईंटें, ईंधन की लकड़ियां और तम्बुओं के डंडे इस्तेमाल किये गये । नौ व्यक्ति घायल हुए जिनका सेंट्रल जेल के मुख्य अस्पताल में इलाज किया गया । उनमें से एक जिसे बाद में गम्भीर चोटों के कारण इर्विन हस्पताल में स्थानांतरित किया गया वहां जाकर मर गया । वह रूपचन्द का पुत्र सोहन था ।

मामला पुलिस को सौंप दिया गया और सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट द्वारा एक जांच की गई । 6 बन्दियों पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 147/304 के आधीन मुकदमा चलाया गया है । मामला न्यायाधीन है ।

Marriage Rule for Government Employees

6710. Shri Madhu Limaye:
Shri S. M. Banerjee:
Shri George Fernandes:
Dr. Ram Manohar Lohia:
Shri S. M. Joshi:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a rule exists to the effect that no Central Government servant can have more than one wife; and

(b) how may State Governments have made similar rule for their employees?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla): (a) Under the conduct Rules applicable to Central Government Servants, no Government Servant who has a wife living shall contract another marriage without first obtaining the permission of the Government, notwithstanding that such subsequent marriage is permissible under the personal law for the time being applicable to him.

(b) Government do not have the requisite information. This is a matter to be decided by the State Government within their own powers.

बुंगा गांव में मकानों में आग लगना

6711. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगन्नाथराव जोशी :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उखरूल डिवीजन के बुंघा नामक गांव के 20 घरों में आग लगा दी गई थी जैसा कि 8 अप्रैल, 1967 के 'वीर अर्जुन' में प्रकाशित हुआ था;

(ख) यदि हां, तो उसके कारण कितनी हानि हुई है; और

(ग) इस बारे में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

गृह-कार्य मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) जी, हां श्रीमन् ।